संदीप परमार (सेन)
प्रधान संपादक
मो. 9755161156

विश्वनाथ समाचार

RNI No. MPHIN/25/A4357

'जनता की सोच — जनहित की खोज'

vishwanathsamachar@gmail.com

वर्ष 01 अंक :- 11 | इंदौर, रविवार 15 नवम्बर से 14 दिसम्बर 2026 तक | पृष्ठ 8, मूल्य 5 रुपया

भगवान बिरसा मुंडा का बलिदान और आदर्श सदियों तक देशवासियों को करते रहेंगे प्रेरितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जनजातीय नायकों के सम्मान और नई पीढ़ी को उनके गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने प्रदेश में होंगे सप्ताहभर आयोजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश के महान क्रांतिकारी, जननायक और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें नमन कर कहा कि भगवान बिरसा मुंडा को जितने अलंकरण दिए जाए कम हैं। उन्होंने अपने 25 वर्ष की अल्पायु में स्वदेश, स्वधर्म, स्वाभिमान और समाज में अनुशासन को विशेष महत्व दिया। देश उनके अमर बलिदान को सदैव स्मरण रखेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के जनजातीय नायकों के बलिदान और विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कार्य प्रारंभ किया। जनजातीय नायकों ने हमारी प्राचीन संस्कृति और विरासत के संरक्षण में विशेष योगदान दिया। गोंडवाना सम्राज्य की वीरांगना रानी दुर्गावती का जीवन अद्भुत रहा। तत्कालीन शासन में अन्याय और शोषण के विरुद्ध जनजातीय नायकों ने महत्वपूर्ण संघर्ष किया। भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी पहचान और संस्कृति के लिए जागरुक और संगठित होने की सीख दी। उन्होंने कहा था कि संस्कृति से बड़ी कोई विरासत नहीं और स्वाभिमान से



बड़ा कोई गौरव नहीं। भगवान बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड पर 'जनजाति गौरव सप्ताह' अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को समारोह में साफा बांध और तीर-कमान भेंटकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में जनजातीय परिधान धारण कर पारंपरिक ढोल बजाया तथा अपनी सहभागिता से जनजातीय संस्कृति, परंपरा और लोककला के प्रति सम्मान एवं जुड़ाव का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में देश-विदेश में अपनी प्रतिभा, कौशल और उपलब्धियों से मध्यप्रदेश को गौरवान्वित करने वाली जनजातीय प्रतिभाओं को सम्मानित किया। उन्होंने जनजातीय युवाओं को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रोत्साहन राशि प्रदान की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय नायकों के योगदान और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचा रही है। हमारी सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक जबलपुर में आयोजित की। इसके बाद कटनी के पास संग्रामपुर में दूसरी कैबिनेट बैठक भी रानी दुर्गावती को समर्पित थी। अपनी लेखनी से समाज को जागरूक कर स्वाभिमान की अलख जगाने वाले जबलपुर के राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह के नाम पर राज्य सरकार मेडिकल कॉलेज की स्थापना कर रही है। खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या मामा के नाम पर विश्विद्यालय खोला गया है। टंट्या मामा ने धार, झाबुआ, आलीराजपुर में क्रांति की मशाल जलाई थी। पचमढ़ी के राजा भभूत सिंह ने अंग्रेजों के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ी। राज्य सरकार ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर रखा है। प्रदेश के इतिहास में भीमा नायक, ख्वाजा नायक, बादल भोई जैसे जनजातीय वीरों की लंबी श्रृंखला है, जिनके माध्यम से हमारी युवा पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति, साहस, स्वाभिमान की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने संस्कृति और संस्कारों को संजोए रखा और हाथों में तीर कमान लेकर स्वयं को देश के लिए बलिदान कर दिया। उनका मानना था कि हमारे लिए स्वाभिमान, स्वदेश और देशप्रेम सर्वोपरि है। भगवान बिरसा मुंडा, जनजातीय समाज पर हो रहे अन्याय के खिलाफ न्याय के दीपक बने। यह कितना बड़ा साहस और संकल्प था कि जिस समय अंग्रेजी साम्राज्य में कभी सूर्यास्त नहीं होता, उस समय भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी मातृभूमि, समाज, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष का बिगुल फूंका। उनकी कुर्बानी से फैला प्रकाश सदियों तक अमर रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में अनेक जनजातियां निवास करती हैं। राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है, विशेष रूप से चिह्नित जनजातीय क्षेत्रों का समग्र विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनजातीय क्षेत्रों के लोगों को भी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा की सौगात मिलेगी। किसानों की आय बढ़ाने के लिए गोपालन और पशुपालन को भी बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम विकासखंडों में भी हर्षोल्लास के साथ मनाने का आहवान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जबलपुर को 133 करोड़ की लागत से छात्रावास और विद्यालय की सौगात मिली है। जनजातीय क्षेत्र के युवा भी पढ़-लिखकर आगे बढ़ें और प्रदेश के विकास में योगदान दें। राज्य सरकार ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के प्रतीक के रूप में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस सांदीपनि विद्यालय स्थापित किए हैं। इसी क्रम में छिंदवाड़ा, डिंडोरी और बालाघाट जिले में 85 करोड़ की लागत से सांदीपनि विद्यालय बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डिंडोरी में आयुर्वेदिक महाविद्यालय, मंडला में मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है।

मणिपुर में उग्रवादियों की फायरिंग में 4 की मौत

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को उग्रवादियों ने दो गाड़ियों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस के मुताबिक, हमला इम्फाल-उखरुल रोड पर न्यू हेवन इलाके में हुआ। दोनों गाड़ियों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ियों के आगे के शीशों पर गोलियों के निशान मिले हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में



कुकी और नगा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं। हमले में मारे गए लोगों की पहचान शांगशक गांव निवासी कपांगखुई आरएस और हाओलेइला आरएस तथा ताशार गांव निवासी ऑगस्ट नगलुंग और खानमिला के रूप में हुई है। शांगशक के दोनों मृतक आपस में भाई-बहन थे, जबकि ताशार के दोनों मृतक मां और बेटे थे। चारों अलग-अलग दो वाहनों- मारुति स्विफ्ट और बोलेरो में सवार होकर इंफाल जा रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ। 12 नवंबर को कांगपोकपी जिले के ताफोउ कुकी गांव और सेनापति जिले के कैलेंगजांग के पास भी गोलीबारी हुई थी।

बस-ट्रक भिड़ंत, 26 लोगों की मौत, ज्यादातर स्टूडेंट

कांजीरंगा। असम के काजीरंगा में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार मिनी बस और कंटेनर ट्रक में आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 26 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। असम के मंत्री और बोकाखाट से विधायक अतुल बोरा ने इसकी जानकारी दी है। टक्कर के बाद मिनी बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कई यात्री बस के अंदर फंस गए। रेस्क्यू टीम ने बस काटकर शवों को बाहर निकाला। बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी जानकारी अभी नहीं



आई है। लोकल मीडिया के मुताबिक, हादसे का शिकार हुई गाड़ी के 12 चालान कट चुके थे। इनमें से 38,500 रुपए का जुर्माना भरा जा चुका था, जबकि 4,000 रुपए का एक चालान अब भी बकाया था। कमर्शियल गाड़ी की ओवरस्पीडिंग पर यह जुर्माना लगता है। गोलाघाट के एसएसपी स्वप्निल डेका ने पीटीआई को बताया कि मिनी बस बोकाखाट से नगांव जा रही थी। बस तेज रफ्तार में थी। शुरुआती जांच के मुताबिक, ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद घायलों को कोहोरा मॉडल अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

दिलजीत के कॉन्सर्ट की सुरक्षा करेंगे 500 जवान

इंदौर। इंदौर में 15 नवंबर की शाम पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के नाम होगी। उनके लाइव कॉन्सर्ट को लेकर शहर में तैयारियां चल रही हैं, लेकिन लगातार मिल रही बम धमकियों ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए 500 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। बम डिस्पोजल स्क्वॉड और क्राइम ब्रांच की टीमें दिन में 3 से 4 बार आयोजन स्थल की जांच कर रही है।

हैदराबाद में कांग्रेस की भारत समिट का दूसरा दिन

हैदराबाद। हैदराबाद में चल रही कांग्रेस की भारत समिट का शनिवार को दूसरा दिन है। इसमें राहुल गांधी भी शामिल होंगे। साथ ही वे गिग वर्कर्स के प्रोग्राम में भी जाएंगे। समिट में 70 देशों के प्रतिनिधि आए हैं। इसमें वैश्विक चुनौतियों और मौजूदा मुद्दों पर



चर्चा हो रही है। समिट 2026 का उद्देश्य तेलंगाना में निवेश और रोजगार लाना है। साथ ही समिट तेलंगाना को अपना इंडस्ट्रियल और आईटी इकोसिस्टम दिखाने का मौका देगी। राहुल गांधी 14 नवंबर को हैदराबाद में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के कार्यक्रम और रैली में शामिल होंगे। इस दौरान डिलीवरी एग्जीक्यूटिव, कैब ड्राइवर और ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े अन्य कर्मचारियों से बातचीत करेंगे। वर्कर्स राहुल के सामने अपनी समस्याएं और मांगें रखेंगे। कार्यक्रम हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के पास होगा।

माचल में राष्ट्रीय राजमार्ग की गाइडलाइन को चुनौती देकर चल रही वाइन शॉप

ग्रामीणों ने मां कालका लिकर गैलरी पर उठाए सवाल, जांच कर दुकान हटाने की मांग; उज्जैन के रसूखदार राजनीतिक संरक्षण की भी चर्चा









बेटमा, जीवन डोडिया। राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास शराब दुकानों के संचालन को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश और आबकारी विभाग के नियम स्पष्ट हैं, लेकिन माचल में संचालित एक वाइन शॉप को लेकर इन नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग से निर्धारित दूरी और दुकान तक पहुंच के नियमों को दरकिनार कर यहां खुलेआम शराब का कारोबार किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि लगातार शिकायतों और सवालों के बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक ऐसी कोई प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आई, जिससे ग्रामीणों को संतुष्टि मिल सके। माचल में मां कालका लिकर गैलरी के नाम से संचालित इस शराब दुकान को लेकर अब ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और आबकारी विभाग से आर-पार की कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि दुकान नियमों के अनुरूप संचालित हो रही है तो विभाग इसकी स्थिति स्पष्ट करे और यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो दुकान का संचालन तत्काल बंद कराया जाए। आखिर नियमों की निगरानी करने वाला विभाग इस मामले में चुप्पी क्यों साधे हुए है, यह अपने आप में बड़ा सवाल बन गया है।

500 मीटर की दूरी और पहुंच के नियमों पर सवाल

सुप्रीम कोर्ट के 15 दिसंबर 2016 के आदेश के अनुसार राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के किनारे शराब की दुकानों, बार और अन्य शराब बिक्री प्रतिष्ठानों को लेकर दूरी संबंधी प्रतिबंध निर्धारित किए गए थे। सामान्य रूप से नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत की निर्धारित सीमाओं से बाहर राजमार्ग के मध्य बिंदु से 500 मीटर की दूरी का प्रावधान लागू किया गया था। बाद में छोटे आबादी क्षेत्रों के लिए निर्धारित शर्तों के तहत दूरी संबंधी छूट का प्रावधान भी सामने आया। इसके अतिरिक्त दुकान राजमार्ग से सीधे दिखाई न दे और राजमार्ग से उसका सीधा प्रवेश या पहुंच मार्ग न हो, इस संबंध में भी दिशा-निर्देश हैं। ग्रामीणों का दावा है कि माचल की मां कालका लिकर गैलरी की वास्तविक स्थिति इन प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। उनका कहना है कि मौके पर भौतिक निरीक्षण, राजमार्ग से वास्तविक दूरी का मापन और दुकान तक पहुंचने वाले रास्ते की जांच की जाए, ताकि स्पष्ट हो सके कि नियमों का पालन हो रहा है या उन्हें केवल कागजों में पूरा दिखाया जा रहा है।

मोरम डालकर रास्ता बदलने की औपचारिकता, आवाजाही पर सवाल

इस पूरे मामले में सबसे गंभीर आरोप दुकान तक पहुंचने वाले रास्ते को लेकर लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि आबकारी विभाग की ओर से नियमों की औपचारिकता पूरी करने के उद्देश्य से मोरम डलवाकर दूसरे स्थान से रास्ता तैयार करवाया गया, लेकिन वास्तविक आवाजाही की व्यवस्था में कोई प्रभावी बदलाव नहीं हुआ। उनका कहना है कि रास्ते की स्थिति और दुकान तक पहुंचने का वास्तविक तरीका देखने पर पहले जैसी ही स्थिति दिखाई देती है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि यदि वैकल्पिक रास्ता बनाया गया है तो क्या उसका इस्तेमाल वास्तव में हो रहा है? क्या राजमार्ग से दुकान तक सीधी पहुंच पूरी तरह समाप्त कर दी गई है? क्या विभाग ने केवल रास्ता बनवाने की औपचारिकता पूरी कर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर ली है? इन सवालों का जवाब विभागीय जांच और मौके के निष्पक्ष निरीक्षण से ही सामने आ सकता है।

उज्जैन के रसूखदार राजनीतिक संरक्षण की चर्चा, कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

शराब दुकान को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक संरक्षण की चर्चाएं भी जोर पकड़ रही हैं। ग्रामीणों और स्थानीय सूत्रों के बीच चर्चा है कि इस कारोबार को उज्जैन के एक बड़े राजनीतिक परिवार से जुड़े प्रभावशाली व्यक्ति का संरक्षण प्राप्त है। यहां तक कि एक बड़े नेता के भतीजे का नाम भी चर्चाओं में लिया जा रहा है। हालांकि, इस कथित राजनीतिक संबंध और संरक्षण की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि दुकान के संचालन में सब कुछ नियमानुसार है तो विभाग खुलकर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करता? वहीं, यदि शिकायतों में तथ्य हैं तो कार्रवाई करने में किसका दबाव आड़े आ रहा है? क्या स्थानीय स्तर पर अधिकारी किसी प्रभावशाली व्यक्ति के कारण कार्रवाई से बच रहे हैं या फिर विभागीय स्तर पर मामले को जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है? इन चर्चाओं की निष्पक्ष जांच होना भी जरूरी है, ताकि किसी व्यक्ति या पद की प्रतिष्ठा को लेकर लगाए जा रहे आरोपों की वास्तविकता सामने आ सके।

ठेकेदार और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता की जानकारी भी आई सामने

प्राप्त जानकारी के अनुसार माचल में संचालित इस शराब ठेके का नाम मां कालका लिकर गैलरी है। उपलब्ध जानकारी में इसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के रूप में शोभित यादव, पिता मूलचंद यादव का नाम दर्ज बताया गया है। उनका पता जी-2/34, शंकरबाग, मरीमाता चौराहा के पास, इंदौर बताया गया है। ऐसे में आबकारी विभाग को दुकान के लाइसेंस, स्वीकृत स्थल, अनुज्ञप्तिधारी की जानकारी, निर्धारित शर्तों और वास्तविक संचालन स्थल का मिलान भी करना चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि दुकान जिस स्थान पर संचालित है, क्या वही स्थान विभागीय रिकॉर्ड में स्वीकृत है?।

गांव-गांव तक शराब पहुंचने का आरोप, सामाजिक व्यवस्था पर असर

ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि दुकान से आसपास के गांवों तक शराब की आपूर्ति हो रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने, पारिवारिक विवाद, आपसी झगड़े और सड़क हादसों जैसी समस्याओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। उनका कहना है कि इसका सबसे अधिक असर युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। ग्रामीणों का तर्क है कि शराब दुकान का संचालन केवल राजस्व से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि इसके साथ ग्रामीणों की सुरक्षा, सामाजिक वातावरण और कानून व्यवस्था भी जुड़ी हुई है। इसलिए नियमों के उल्लंघन की शिकायत को सामान्य मामला मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

आबकारी कमिश्नर तक उठ रहे सवाल, मुख्यमंत्री की छवि से भी जुड़ा मामला

मामले को लेकर आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब स्थानीय स्तर पर शिकायतों का समाधान नहीं हो रहा तो विभाग के उच्च अधिकारियों को स्वत: संज्ञान लेकर जांच करानी चाहिए। आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना तक भी इस मामले को पहुंचाने और विभागीय स्तर पर जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार में यदि नियमों का पालन कराने वाले विभाग ही शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करेंगे तो सरकार की सुशासन और कानून के समान अनुपालन की छवि प्रभावित होना स्वाभाविक है। ऐसे में सरकार और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए।

अब देखना यह है कि जांच होती है या मामला फाइलों में ही दबा रहता है

माचल की इस शराब दुकान को लेकर उठ रहे सवालों ने आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों की मांग है कि जांच किसी स्थानीय औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में निष्पक्ष टीम मौके पर पहुंचे और अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करे। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब राजमार्ग से दूरी, दुकान की दृश्यता और पहुंच मार्ग जैसे बिंदुओं की जांच संभव है, तो विभाग अब तक स्पष्ट स्थिति सामने क्यों नहीं ला पाया? क्या मां कालका लिकर गैलरी नियमों के दायरे में है या फिर नियमों को दरकिनार कर कारोबार संचालित किया जा रहा है? इसका जवाब अब आबकारी विभाग और जिला प्रशासन को देना है। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि उन्हें किसी से व्यक्तिगत विरोध नहीं है, उनकी मांग केवल इतनी है कि कानून सबके लिए समान हो और नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को संरक्षण न मिले।

कांग्रेस में नकुलनाथ के बयान से सियासी हलचल, मुख्यमंत्री पद के सवाल पर बोले- वक्त बताएगा

शक्ति प्रदर्शन के बीच नकुलनाथ ने जताया छिंदवाड़ा से जुड़ाव, जीतू पटवारी ने संभाली कमान, बोले- हम सब एक साथ हैं



भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में इन दिनों सियासी हलचल तेज होती नजर आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के जन्मदिन और पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के मौके पर भोपाल में पूर्व सांसद नकुलनाथ के तेवर और उनके बयानों ने कांग्रेस के भीतर नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया। भोपाल स्थित अपने सरकारी बंगले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नकुलनाथ ने जहां छिंदवाड़ा को अपना पहला प्यार बताया, वहीं मुख्यमंत्री पद को लेकर पूछे गए सवाल पर ऐसा जवाब दिया, जिसने सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया। नकुलनाथ ने कहा कि मेरा पहला प्यार छिंदवाड़ा है। उन्होंने छिंदवाड़ा में भाजपा सांसद के कार्यकाल को लेकर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि जब से वहां भाजपा का सांसद बना है, तब से अब तक एक भी सड़क नहीं बनी। देश में ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बावजूद छिंदवाड़ा में विकास का कोई बड़ा काम नजर नहीं आ रहा है। उनके इस बयान को छिंदवाड़ा की राजनीति में अपनी सक्रियता और पकड़ का संदेश देने के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, नकुलनाथ भोपाल में कमलनाथ का जन्मदिन मनाने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि कमलनाथ जब से मुख्यमंत्री बने थे, तब से अपना जन्मदिन इसी सरकारी बंगले पर मनाते आ रहे हैं। इस बार वे स्वयं यहां नहीं आ पाए, इसलिए उन्होंने मुझे भेजा है। इसी दौरान नकुलनाथ ने मीडिया से चर्चा करते हुए छिंदवाड़ा के प्रति अपना जुड़ाव जाहिर किया।

मुख्यमंत्री पद के सवाल पर मुस्कुराए नकुलनाथ, बोले- वक्त बताएगा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब नकुलनाथ से पूछा गया कि कांग्रेस में उन्हें भावी मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में देखा जा रहा है, उनके समर्थन में नारे लगाए जा रहे हैं और होर्डिंग भी लगाए जा रहे हैं, तो उन्होंने इस संभावना को सीधे तौर पर खारिज नहीं किया। नकुलनाथ ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मेरा पहला प्यार छिंदवाड़ा है और मुख्यमंत्री पद की बात है तो आने वाला वक्त बताएगा।' उनका यह जवाब राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है। उन्होंने न तो मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को स्वीकार किया और न ही इससे साफ इनकार किया। उनके इस अंदाज ने कांग्रेस के भीतर नेतृत्व और भविष्य की राजनीति को लेकर नई चर्चाओं को हवा दे दी है। नकुलनाथ से मुख्यमंत्री पद को लेकर सवाल-जवाब का सिलसिला चल ही रहा था कि इसी बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि हम सब एक साथ हैं। जब नकुलनाथ से पूछा गया कि क्या मुख्यमंत्री पद की दौड़ में उन्हें जीतू पटवारी का साथ मिलेगा, तो उनके जवाब देने से पहले ही पटवारी ने कहा कि सबका साथ रहेगा। इस दौरान जीतू पटवारी का एक हल्का-फुल्का अंदाज भी देखने को मिला। बातचीत के बीच उन्होंने मजाकिया लहजे में यहां तक कह दिया कि कहो तो अभी पद छोड़ दूं। हालांकि उनका यह बयान हास्य के अंदाज में था, लेकिन राजनीतिक माहौल में इस टिप्पणी ने भी लोगों का ध्यान खींचा।

कांग्रेस में भविष्य के नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज

एक ओर नकुलनाथ का मुख्यमंत्री पद के सवाल पर 'वक्त बताएगा' कहना और दूसरी ओर जीतू पटवारी का बीच में हस्तक्षेप कर एकजुटता का संदेश देना, कई राजनीतिक संकेत छोड़ गया। नकुलनाथ के समर्थन में नारेबाजी और होर्डिंग की चर्चाओं के बीच भोपाल में हुई यह प्रेस कॉन्फ्रेंस कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

शंकर लालवानी के दीपावली मिलन में दिखा सियासी प्रबंधन का दम, भाजपा के हर गुट ने लगाई हाजिरी

इंदौर में सांसद के आवास पर उमड़ा भाजपा नेताओं का हुजूम, जो नहीं पहुंच सके उन्होंने परिवार और बच्चों को भेजकर निभाई मौजूदगी; लालवानी ने गुटबाजी से इतर अपनी अलग राजनीतिक पहचान का दिया संदेश





संदीप सेन - 9755161156

इंदौर। दीपावली के त्योहार पर इंदौर की सियासत में मिठास के साथ राजनीतिक समीकरणों की भी खूब चर्चा रही। सांसद शंकर लालवानी के इंदौर स्थित आवास पर आयोजित दीपावली मिलन समारोह और अन्नकूट महोत्सव ने इस बार केवल सामाजिक मेल-मिलाप का ही नजारा पेश नहीं किया, बल्कि भाजपा की अंदरूनी राजनीति में लालवानी के बढ़ते प्रभाव और उनके संगठनात्मक प्रबंधन की झलक भी दिखा दी। समारोह में भाजपा के अलग-अलग गुटों से जुड़े नेताओं की मौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी। इसे लालवानी के अकल्पनीय प्रबंधन के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह रही कि इंदौर भाजपा का शायद ही कोई ऐसा राजनीतिक खेमा रहा हो, जिसकी मौजूदगी इस आयोजन में नजर नहीं आई हो। अलग-अलग खेमों में अपनी राजनीतिक सक्रियता रखने वाले नेताओं ने सांसद के आवास पर पहुंचकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इतना ही नहीं, जो नेता किसी कारणवश स्वयं समारोह में नहीं पहुंच पाए, उन्होंने अपने बच्चों और परिवारजनों को भेजकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राजनीतिक हलकों में इसे सांसद के साथ उनके आत्मीय और पारिवारिक संबंधों का संकेत माना जा रहा है।

न किसी गुट के सदस्य, न किसी गुट के मुखिया, अपनी अलग राजनीतिक पहचान

आयोजन का सबसे दिलचस्प पहलू यही रहा कि सांसद शंकर लालवानी ने अपनी राजनीतिक भूमिका को किसी एक गुट तक सीमित रखने के बजाय सभी के साथ संवाद और संपर्क बनाए रखने की रणनीति को सामने रखा। भाजपा में अलग-अलग नेताओं और खेमों के बीच राजनीतिक समीकरण चाहे जैसे हों, लालवानी के दरवाजे पर सभी की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि उनकी राजनीतिक पहुंच किसी एक खेमे तक सीमित नहीं है। उनकी सीधी पहुंच भोपाल से लेकर दिल्ली तक मानी जाती है। ऐसे में दीपावली मिलन समारोह को केवल पारंपरिक आयोजन नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक संपर्क और स्वीकार्यता के प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है।

अन्नकूट प्रसादी में उमड़ा जनसैलाब, देपालपुर के नेताओं ने भी दिखाई भागीदारी

समारोह में अन्नकूट प्रसादी का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें इंदौर सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। देपालपुर क्षेत्र से भी जनप्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं ने पहुंचकर सांसद लालवानी से आत्मीय मुलाकात की और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि अजय आहूजा, जिला पंचायत सदस्य राधेश्याम ठाकुर, नगर परिषद उपाध्यक्ष गोपाल कटेसरिया, वरिष्ठ नेता मुकेश जैन, पार्षद मोहर सिंह नागर, सांसद प्रतिनिधि श्याम गोयल एवं जिला पंचायत सदस्य राधेश्याम ठाकुर प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कुल मिलाकर, लालवानी के आवास पर सजा दीपावली मिलन का मंच इस बार सियासी चर्चाओं का भी केंद्र बन गया। अन्नकूट की प्रसादी के साथ नेताओं के मेल-मिलाप और अलग-अलग राजनीतिक खेमों की सामूहिक मौजूदगी ने एक बात जरूर साफ कर दी कि सांसद शंकर लालवानी ने संपर्क, समन्वय और स्वीकार्यता के जरिए अपनी अलग राजनीतिक पहचान को मजबूत करने का प्रयास किया है।

देवास की स्वच्छता उपलब्धि पर स्वागत समारोह

विश्वनाथ समाचार

देवास। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में 50 हजार से 3 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देशभर में प्रथम स्थान हासिल करने के बाद देवास नगर निगम के स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष एवं पार्षद धर्मेन्द्र सिंह बेस का विधायक श्रीमती गायत्री राजे पंवार द्वारा आनंद भवन पैलेस में भव्य स्वागत किया गया। इस गौरवमयी अवसर पर स्वच्छता उपलब्धि में पार्षद, सफाई मित्रों, नगर निगम कर्मचारियों और नागरिकों की भूमिका की सराहना की गई।

राष्ट्रीय स्तर पर देवास का गौरव

देवास नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में अपनी जनसंख्या श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा शहर को यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। यह उपलब्धि नगर निगम की कचरा एवं अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था, सफाई मित्रों की निरंतर मेहनत, जनप्रतिनिधियों के सहयोग तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम मानी जा रही है।



आनंद भवन पैलेस में स्वागत

स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह बेस का स्वागत आनंद भवन पैलेस में विधायक श्रीमती गायत्री राजे पंवार द्वारा किया गया। उन्हें स्वच्छता में देवास की ऐतिहासिक उपलब्धि में योगदान के लिए बधाई दी गई। स्वागत समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, नगर निगम पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने देवास को मिली राष्ट्रीय उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की। धर्मेन्द्र सिंह बेस को स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष के रूप में कचरा प्रबंधन, सफाई व्यवस्था और स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाने हेतु उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।



सफाई मित्रों को सम्मान

देवास की इस उपलब्धि का श्रेय मुख्य रूप से सफाई मित्रों को दिया गया, जिन्होंने दिन-रात शहर को स्वच्छ रखने में योगदान दिया। नगर निगम द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में सफाई कर्मचारियों, दरोगाओं और स्वच्छता अभियान से जुड़े अधिकारियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विधायक गायत्री राजे पंवार, कलेक्टर नेहा मीना, महापौर गीता अग्रवाल तथा नगर निगम सभापति रवि जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

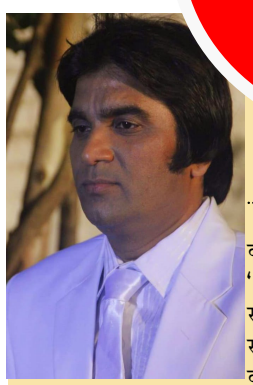
विधायक का संदेश

विधायक श्रीमती गायत्री राजे पंवार ने कहा कि देवास ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता संदेश को धरातल पर उतारकर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान सफाई मित्रों के परिश्रम, प्रशासन के सक्रिय प्रयासों और नागरिकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने सभी से अपील की कि स्वच्छता को केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य मानकर शहर की इस प्रतिष्ठा को निरंतर बनाए रखा जाए।

आगे का संकल्प

समारोह में सभी ने संकल्प लिया कि देवास को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहर बनाए रखने के लिए कचरा पृथक्करण, घर-घर कचरा संग्रहण, सार्वजनिक स्थानों की सफाई तथा प्लास्टिक-मुक्त अभियान में सक्रिय भागीदारी जारी रखी जाएगी। देवास की यह उपलब्धि मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय है और यह अन्य शहरों के लिए भी प्रेरणा का संदेश दे।

फिल्म 'अग्नियुद्ध' की भव्य शुरुआत



विश्वनाथ समाचार

सर्वमंगला इंटरनेशनल के बैनर तले बनने वाली एक्शन से भरपूर रोमांचक हिंदी फिल्म 'अग्नियुद्ध' की शूटिंग नवंबर महीने के आखिरी सप्ताह से मुंबई और मुंबई के आसपास के कई सारे जगहों में तथा कर्नाटक के कुर्ग,मैसूर स्थित वृंदावन गार्डन और तमिलनाडु की ऊटी में शुरू होने जा रही है । इस फिल्म में मुख्य भूमिका में बतौर हीरो प्रिंस अमित को लिया गया है जो की एक दमदार अभिनेता है । साथ में मार्केट के बहुत सारे चर्चित चेहरे बाकी के अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे । इस फिल्म के सिनेमैटोग्राफर है वी.एस.राठौर,कोरियोग्राफर है टीनू खानेरिया,एक्शन डायरेक्टर होंगे मशहूर एक्शन डायरेक्टर हीरा यादव और साउथ के मशहूर एक्शन डायरेक्टर चंद्र वीर द्य इस फिल्म के निर्माता- निर्देशक - लेखक सुदीप डी.मुखर्जी है द्य मुख्य सहायक निर्देशक अनिल पांडे है और प्रोडक्शन एग्जीक्यूटिव राजेश मिश्रा होंगे। प्रोडक्शन कंट्रोलर,के.वी.गुरु प्रसाद है ।

खाटू श्याम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा प्रथम वार्षिक महोत्सव में भव्य शोभा यात्रा निकली, आज होगा यज्ञ

देपालपुर। देपालपुर नरेश खाटू श्याम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा प्रथम वार्षिक महोत्सव का तीन दिवसीय आयोजन धूमधाम से जारी है। महोत्सव के पहले दिन शनिवार को भव्य शोभा यात्रा निकली, जिसमें श्याम प्रेमियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। आज महोत्सव के दूसरे दिन एक दिवसीय यज्ञ होगा। शोभा यात्रा शांति विहार कॉलोनी स्थित खाटू श्याम मंदिर से प्रारंभ हुई। यात्रा चमन चौराहा, इंदौर नाका, बस स्टैंड, बाजार, बड़ चौक होते हुए नगर भ्रमण कर पुनः शांति विहार कॉलोनी स्थित खाटू श्याम मंदिर पहुंची। घोड़ा बग्गी में विराजमान बाबा श्याम के दरबार को इत्र एवं फूलों से सजाया गया। डीजे की धुन पर शोभा यात्रा में श्याम प्रेमी नाचते-गाते दिखे। नगर के प्रमुख मार्गों पर भक्तों ने पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा का स्वागत किया। पूरा नगर श्याम भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को सुबह 07 बजे से एक दिवसीय यज्ञ का आयोजन होगा। यज्ञ यज्ञाचार्य पंडित के सानिध्य में संपन्न होगा।

सम्पादकीय

युवाओं के सामने अच्छे उदाहरण रखने का जिम्मा भी हमारा ही है

हाल ही में दो युवा एग्जीक्यूटिव्ज ने मुझसे संपर्क किया। वे मेरी एक मेम्बरशिप को अपग्रेड करने के सिलसिले में बात करना चाहते थे। हालांकि इससे पहले हमारी कभी बातचीत नहीं हुई थी, फिर भी मैंने उन्हें साफ बता दिया कि मैं मेम्बरशिप अपग्रेड करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। बहरहाल, उन्होंने मुझे आश्वस्त किया कि उनका मकसद सेल्स के बारे में बात करना नहीं, बल्कि हाल में हुए बदलावों की जानकारी देना भर है। उन्होंने यह भी बताया कि महीने का आखिरी दिन होने के कारण उन पर टारगेट्स पूरे करने का काफी दबाव है। मैंने उनसे थोड़ी देर को बातचीत करने के लिए हामी भर दी, लेकिन अंततः पूरी बातचीत मेम्बरशिप को अपग्रेड कराने पर ही केंद्रित रही। उनकी पूरी कोशिश किसी स्पष्ट लाभ या उपयोगिता को सामने रखने के बजाय मेरी सहानुभूति हासिल करने पर टिकी थी। उनके बातचीत करने के तरीके से लगा कि उन्होंने अपने सिस्टम में मेरे बारे में उपलब्ध जानकारी देखी तक नहीं थी और न ही मेरी जरूरतों के मुताबिक कोई प्रपोजल तैयार किया था। मेरी शिकायत उन युवा एग्जीक्यूटिव्ज से नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से है, जो उन पर दबाव तो डालती है, लेकिन उन्हें पर्याप्त मार्गदर्शन और प्रशिक्षण नहीं देती। ऐसे सहयोग के अभाव में वे ऐसे ही तरीकों को सेल्स का स्वीकार्य तरीका मानने लग सकते हैं। यह अनुभव एक व्यापक चिंता की ओर भी इशारा करता है। हाल के वर्षों में मैंने देखा है कि युवा पेशेवरों को अकसर अपने कॅरिअर की राह खुद ही तलाशनी पड़ती है। कई बार इंटर्नशिप के दौरान भी उन्हें पर्याप्त मार्गदर्शन नहीं मिलता। प्रभावी मेंटरशिप के अभाव में वे यह मान बैठते हैं कि अपने आसपास जो तौर-तरीके वो देख रहे हैं, वे ही अपनाने योग्य हैं। जब तक उन्हें किसी बेहतर तरीके की जरूरत का एहसास होता है, तब तक उनकी पुरानी आदतें इतनी गहरी हो चुकी होती हैं कि उनसे बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। हाल ही में हुई दो अन्य बातचीतों ने मेरी इस चिंता को और पुख्ता किया : 1. एक युवा एग्जीक्यूटिव ने अपने कार्यस्थल के ऐसे माहौल के बारे में बताया, जहां नैतिक तरीके से बिक्री करने के बजाय येन-केन-प्रकारेण डील पक्की करने को प्राथमिकता दी जाती है। उनका कहना था कि सिस्टम इसी तरह से काम करता है। 2. एक युवा मां ने चिंता जताई कि अपने आसपास के लोगों का व्यवहार देखकर उन्हें लगने लगा है कि उन्हें अपने बच्चों को भी नैतिकता को ताक पर रखकर सिस्टम के मुताबिक ही चलना सिखाना पड़ेगा। अन्यथा वो इस दुनिया में सफल नहीं हो सकेंगे। इन दोनों बातचीत से यह खतरा सामने आता है कि ऐसे तौर-तरीके अब सामान्य और स्वीकार्य माने जाने लगे हैं, जो मूल्यों पर आधारित वर्क-कल्चर को कमजोर करते हैं। याद रखें कि किसी संस्था की कल्चर एक व्यक्ति से नहीं बनती; उसे उस व्यवस्था से जुड़े सभी लोगों के रोजमर्रा के फैसले और व्यवहार मिलकर आकार देते हैं। नैतिक मानदंडों को बनाए रखने और अपने आचरण से उनका उदाहरण प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। समस्या यह भी है कि जब संदिग्ध तौर-तरीकों को बार-बार अपनाया और स्वीकार किया जाता है, तो वे धीरे-धीरे जायज लगने लगते हैं। इसलिए हर स्तर पर मेंटर्स और उनसे मार्गदर्शन पाने वालों के बीच मजबूत संबंध बेहद जरूरी हैं। ऐसे संबंध ही अगली पीढ़ी को सही निर्णय लेने की समझ और ईमानदारी के साथ काम करने का आत्मविश्वास दे सकते हैं। अगर अगली पीढ़ी तक सही मूल्यों को पहुंचाना है तो न केवल उन्हें निरंतर मार्गदर्शन देना होगा, बल्कि अपने आचरण से भी उनके सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। इसी को अंग्रेजी में कहते हैं : 'लीडिंग बाय एग्जाम्पल'। अंत में, पाठकों के मनन के लिए एन गार्विन का यह उद्धरण : 'अगर कोई चीज मुश्किल है तो केवल इतने भर से वो गलत नहीं हो जाती। और सिर्फ आसान होने भर से किसी चीज का सही होना भी अनिवार्य नहीं।' एक युवा मां ने मुझसे बातचीत में चिंता जताई कि अपने आसपास के लोगों का व्यवहार देखकर उन्हें लगने लगा है, उन्हें अपने बच्चों को भी नैतिकता को ताक पर रखकर सिस्टम के मुताबिक चलना सिखाना पड़ेगा। अगर देश के युवा ऐसे सोच रहे हैं तो यह हमारी नाकामी है।

एआई पर बढ़ती प्रतिद्वंद्विता में एनवीडिया प्रकरण से नया मोड़

कॉर्पोरेट की चकाचौंध भरी दुनिया में विवाहेतर संबंध कोई असामान्य बात नहीं है। लेकिन कई बार ऐसे रिश्तों के गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं- खासकर तब, जब आप जेन्सेन हुआंग हों! एनवीडिया के संस्थापक और सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कर्मचारियों को भेजे एक ज्ञापन में स्वीकारा कि उन्होंने अपनी पत्नी से बेवफाई की है। जिन एलिस हुआंग (उपनाम से धोखा ना खाएं, उनका जेन्सेन हुआंग से कोई पारिवारिक संबंध नहीं है) से उनका नाम जोड़ा गया, वे सिंगापुर स्थित मेगास्पीड से जुड़ी हैं। इस कम्पनी का एनवीडिया के कारोबारी नेटवर्क से संबंध बताया जाता है। एपल के स्टीव जॉब्स और टेस्ला के इलॉन मस्क की ही तरह जेन्सेन हुआंग महज एक कॉर्पोरेट अधिकारी नहीं थे। वे एनवीडिया का चेहरा थे। कंपनी की ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) उन लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स और कम्प्यूटिंग प्रक्रियाओं को शक्ति प्रदान करती हैं, जो एआई क्रांति को परिभाषित कर रही हैं। यही वजह है कि एनवीडिया प्रकरण महज एक कॉर्पोरेट-कांड नहीं है। यह कम्पनी अमेरिका और चीन के बीच चल रही तकनीकी प्रतिस्पर्धा के केंद्र में है। उन्नत सेमीकंडक्टर तकनीक के निर्यात पर अमेरिका ने जो प्रतिबंध लगाए थे, उनके पीछे यही आशंका थी कि चीन को इस तकनीक तक निर्बाध पहुंच मिलने से उसकी सैन्य, खुफिया व तकनीकी क्षमताओं को गति मिल सकती है। खबरों के मुताबिक, एलिस हुआंग और उनके परिवार से जुड़े एक नेटवर्क ने 2023 से अब तक 7.5 अरब डॉलर मूल्य के एनवीडिया हार्डवेयर को चीनी ग्राहकों तक पहुंचाने में मदद की। इनमें लगभग 2.40 लाख चिप शामिल थीं, जिनमें एच100 और एच200 चिप भी थीं। इनकी आपूर्ति सिंगापुर, मलेशिया और थाईलैंड की कंपनियों के जरिए की गई। एफबीआई जांच कर रही है कि कहीं जेन्सेन हुआंग किसी विदेशी खुफिया अभियान का निशाना तो नहीं थे। लेकिन आरोपों और साबित हो चुके तथ्यों के बीच एक अहम फर्क है। सिंगापुर के अधिकारियों ने सर्वर की खेपों के संबंध में कथित तौर पर गलत घोषणाएं किए जाने के मामले में एलिस और मेगास्पीड की जांच की थी। उनका कहना था कि यह साबित करने के पर्याप्त सबूत नहीं मिले कि एलिस ने कोई अपराध किया था। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी जांच जासूसी से जुड़ी नहीं थी। चीन के किसी खुफिया अभियान की आशंका चिंता का विषय जरूर है, पर इसे आशंका के बजाय स्थापित तथ्य नहीं माना जा सकता। इस प्रकरण से निवेशक असहज हैं और हाल के अपने उच्चतम स्तर से एनवीडिया के बाजार-मूल्य में पहले ही बड़ी गिरावट आ चुकी है। बाजार की प्रतिक्रिया केवल आरोपों को लेकर चिंता नहीं दर्शाती। यह इस खतरे को भी उजागर करती है कि किसी कंपनी का एक ही व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा निर्भर होना कितना जोखिम भरा हो सकता है। एनवीडिया के अनेक वरिष्ठ अधिकारी सीधे जेन्सेन हुआंग को रिपोर्ट करते थे। कंपनी में ऐसा कोई उत्तराधिकारी स्पष्ट रूप से सामने नहीं था, जो उनकी जगह लेने के लिए तैयार हो। लिहाजा उनके जाने से उस कंपनी की संस्थागत मजबूती पर सवाल उठते हैं, जिसका महत्व कारोबारी दुनिया से कहीं आगे तक फैला हुआ है। मामले का एक राजनीतिक पहलू भी है। ट्रम्प ने सार्वजनिक रूप से जेन्सेन का बचाव करते हुए उन्हें एक सम्मानित व्यक्ति बताया था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने खुद जेन्सेन से पूछा था कि क्या उन्हें पता था एलिस जासूस हैं? जेन्सेन ने कहा था उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं थी और ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें उनकी बात पर भरोसा है। मई में जो अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बीजिंग गया था, उसमें जेन्सेन भी शामिल थे। उन्हें विमान में सवार कराने के लिए राष्ट्रपति का विमान अलास्का में विशेष रूप से ठहरा था। जेन्सेन चाहते थे कि एनवीडिया को चीन में अपनी कुछ एडवांस्ड चिप बेचने की अनुमति दी जाए। खुद ट्रम्प ने भी चीनी ग्राहकों को एच200 चिप बेचने की मंजूरी दी थी। अब सवाल उठ रहा है कि क्या सेमीकंडक्टर निर्यात की राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताएं साफ होने के बावजूद एनवीडिया के प्रति नरम रुख अपनाया गया? अमेरिका की तकनीकी सर्वोच्चता किसी एक कॉर्पोरेट लीडर के विवेक, ईमानदारी या किस्मत पर निर्भर नहीं रह सकती। एनवीडिया संभवतः एआई क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण कंपनी है। इस वजह से उस पर सामान्य कॉर्पोरेट प्रशासन से कहीं बड़ी जिम्मेदारियां आती हैं। एनवीडिया का मामला इस बात का भी परीक्षण है कि चीन के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में अमेरिका अपनी तकनीकी सर्वोच्चता की रक्षा करने में कितना सक्षम है। किसी कंपनी का एक ही व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा निर्भर होना जोखिम भरा हो सकता है। एनवीडिया के अनेक वरिष्ठ अधिकारी सीधे जेन्सेन हुआंग को रिपोर्ट करते थे। कंपनी में ऐसा कोई उत्तराधिकारी स्पष्ट रूप से सामने नहीं था, जो उनकी जगह लेने के लिए तैयार हो।

बेटमा में कृषि सेवा केन्द्रों पर कृषि विभाग की सख्ती, खाद-बीज के लिए गए नमूने

विश्वनाथ समाचार



देपालपुर। कृषि विभाग की टीम ने बेटमा क्षेत्र में संचालित कृषि सेवा केन्द्रों पर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद, बीज एवं अन्य कृषि आदानों की गुणवत्ता की जांच के लिए नमूने लिए गए। निरीक्षण वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी देपालपुर अनिल कुमार निगम के नेतृत्व में किया गया। उनके साथ ऑपरेटर मिथुन मकवाना उपस्थित रहे। टीम ने बालाजी कृषि सेवा केन्द्र, बेटमा, धाकड़ कृषि सेवा केन्द्र, मेसर्स ओमकार जगनाथ तथा मदनी कृषि सेवा केन्द्र, बेटमा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने लाइसेंस, स्टॉक रजिस्टर, बिल बुक, खाद एवं बीज के भंडारण की व्यवस्था, मूल्य सूची और विक्रय की जा रही सामग्री की जांच की। साथ ही विक्रय किए जा रहे खाद एवं बीज की गुणवत्ता को लेकर नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान केन्द्र संचालकों को किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद-बीज उपलब्ध कराने, निर्धारित मूल्य पर विक्रय करने और बिल अनिवार्य रूप से देने के निर्देश दिए गए। भंडारण में लापरवाही पाए जाने पर सुधार के निर्देश भी दिए गए। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लिए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट में गुणवत्ता में गड़बड़ी या अमानक सामग्री पाए जाने पर संबंधित केन्द्र के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग की ओर से बताया गया कि किसानों को नकली या अमानक खाद-बीज से बचाने के लिए इस प्रकार की जांच आगे भी जारी रहेगी।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को किया जागरूक

20 नवंबर तक विभिन्न ग्राम पंचायतों में होंगे जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्वनाथ समाचार



देपालपुर। किसानों की आय बढ़ाने, फसल उत्पादन एवं उत्पादकता में सुधार करने तथा खेती को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से जिले में खेत बचाओ अभियान, नरवाई मुक्त मध्यप्रदेश अभियान, गुणवत्ता अभियान एवं विविधीकरण अभियान संचालित किए जा रहे हैं। कलेक्टर जिला इंदौर के निर्देशानुसार 30 अक्टूबर से 20 नवंबर 2026 तक चलाए जा रहे इन अभियानों के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र कस्तूरबा ग्राम के वैज्ञानिकों के समन्वय से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्राम पंचायतों में कृषक सभाएं, प्रशिक्षण एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में 13 नवंबर को ग्राम पंचायत सुनाला एवं गुडर में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत कृषक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र इंदौर की वैज्ञानिक डॉ. अपर्णा वाजपेई एवं श्रीमती अर्चना कुमारी ने किसानों को विभिन्न कृषि विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों ने नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति, जैविक तत्वों एवं पर्यावरण को होने वाले नुकसान की जानकारी दी। साथ ही फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन, नरवाई का खेतों में ही उपयोग करने तथा उपलब्ध कृषि संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल की विधियां समझाईं। उन्होंने बताया कि नरवाई जलाने के बजाय उसके समुचित प्रबंधन से मिट्टी के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने के साथ खेती की गुणवत्ता में भी सुधार किया जा सकता है। कार्यक्रम में अल्प वर्षा की स्थिति में आकस्मिक कृषि योजना, कम पानी में उपयुक्त फसलों का चयन, श्री अन्न एवं मोटे अनाजों की खेती का महत्व तथा उर्वरकों के संतुलित उपयोग जैसे विषयों पर भी किसानों को मार्गदर्शन दिया गया। किसानों को फसल एवं मिट्टी की आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों का उपयोग करने और अनावश्यक कृषि लागत से बचने की सलाह दी गई। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं कृषि विकास अधिकारी श्री मदन भंवर सहित संबंधित अधिकारी एवं कृषक उपस्थित रहे।

गांव-गांव पहुंच रहा अभियान, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होंगे आयोजन

जिले में अभियान को व्यापक स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए आगामी दिनों का पंचायतवार कार्यक्रम भी निर्धारित किया गया है। इसके तहत 14 नवंबर को गिरोड़ा एवं तकिपुरा, 16 नवंबर को मुरखेड़ा एवं बड़ोली हाज, 17 नवंबर को गिरोता एवं कुलाला तथा 18 नवंबर को बनेड़िया एवं काई ग्राम पंचायतों में कृषक जागरूकता एवं प्रशिक्षण गतिविधियां प्रस्तावित हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को नरवाई मुक्त खेती, कृषि आदानों की गुणवत्ता, प्रमाणित बीजों के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी जाएगी।

खेती को टिकाऊ और लाभकारी बनाने की पहल

प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य केवल किसानों को जानकारी देना नहीं, बल्कि कृषि कार्यों में व्यवहारिक बदलाव लाकर खेती को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाना है। नरवाई प्रबंधन से मिट्टी का स्वास्थ्य सुरक्षित रखने, गुणवत्ता अभियान से किसानों को अच्छे एवं प्रमाणित कृषि आदान उपलब्ध कराने तथा विविधीकरण अभियान के माध्यम से कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के समन्वय से संचालित यह अभियान किसानों को पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

अम्बिकापुरी के रहवासी बोले-दूसरा भागीरथपुरा बन जाएगा हमारा क्षेत्र





इंदौर। विधानसभा एक के वार्ड 14 स्थित अम्बिकापुरी के रहवासी क्षेत्रीय परेशानियों के चलते सड़क पर उतर गए। उन्होंने नारेबाजी भी की और अम्बिकापुरी दूसरा भागीरथपुरा बन जाएगा यह चेतावनी भी दी। क्षेत्र में नलों और बोरिंग से गंदा पानी आने की शिकायत मिल रही है। अम्बिकापुरी और उसके एक्सटेंशन के रहवासी कल आक्रोशित नजर आए। करीब 50 रहवासी पार्षद के खिलाफ सक पर उतर गए। रहवासियों का कहना है कि क्षेत्रीय पार्षद अश्विन शुक्ला उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं करते है। दरअसल क्षेत्र में ड्रेनेज व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, ड्रेनेज का गंदा पानी घरों में आ रहा है एवं पीने के पानी के साथ मिल रहा है। रहवासियों ने कहा कि हमारा क्षेत्र दूसरा भागीरथपुरा बन जाएगा। उल्लेखनीय है कि भागीरथपुरा में दूषित जल के कारण कई लोगों की जानें चली गई थी। आक्रोशित रहवासी पार्षद पर भी जमकर बरसे और कहा कि वे शिकायत पर आते है और आश्वासन देकर चले जाते है। बीते तीन वर्षों से यह समस्या बनी हुई है। रहवासियों ने हल्ला मचाया तो जागे पार्षद:- कल अम्बिकापुरी के रहवासी जैसे ही पार्षद के खिलाफ मुंह खोलने लगे और मीडिया के सामने आए तो आज सुबह क्षेत्रीय अश्विन शुक्ला रहवासियों के बीच पहुंच गए और उन्होने सभी गलियों का भ्रमण किया।

बनेडिया तालाब पर अवैध सिंचाई के विरुद्ध सिंचाई विभाग की कार्रवाई, मोटर जप्त



विश्वनाथ समाचार

देपालपुर। सिंचाई विभाग के प्रदेश के दूसरे बड़े बनेडिया तालाब पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध रूप से मोटर लगाकर सिंचाई करने के मामले में विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, तालाब क्षेत्र से किसान प्रतिबंध के बावजूद मोटर लगाकर सिंचाई कर रहे थे। शिकायत और निगरानी के बाद सिंचाई विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम में सिंचाई विभाग की इंजीनियर गुंजन अरोड़ा, आमीन ओमप्रकाश जाटव और चौकीदार उपस्थित रहे। टीम ने मौके से किसान की पानी मोटर जप्त की। विभाग ने किसानों को हिदायत दी कि बिना अनुमति के अवैध रूप से मोटर लगाकर सिंचाई न करें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बताया कि तालाब के जल स्तर और निर्धारित व्यवस्था को बनाए रखने के लिए निगरानी जारी रहेगी। किसानों से अपील की गई है कि वे अनुमति प्राप्त व्यवस्था के अनुसार ही सिंचाई करें।

बनेडिया में पीएम विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस



विश्वनाथ समाचार

देपालपुर। बनेडिया गांव के पीएम विद्यालय में बाल दिवस हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने छात्रों को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन, विचारों और बच्चों के प्रति उनके स्नेह के बारे में विस्तार से बताया। शिक्षकों ने बताया कि नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। इसी कारण उनका जन्मदिन 14 नवम्बर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। छात्रों को शिक्षा, अनुशासन, स्वच्छता और देशप्रेम का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने कविता, भाषण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विद्यालय में उत्साह का वातावरण बना रहा। अंत में छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

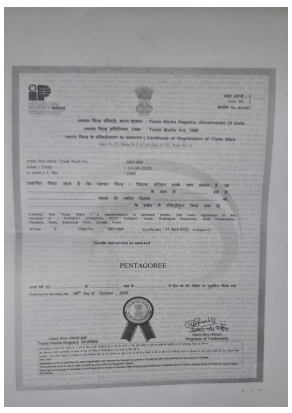
इंदौर से दिल्ली तक तलाशा जा रहा स्वच्छता सर्वेक्षण का डैशबोर्ड

विश्वनाथ समाचार

इंदौर। स्वच्छता में लगातार नंबर वन रहने वाले इंदौर की इस बार की रैंकिंग ने शहर से लेकर दिल्ली तक असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 का परिणाम सामने आने के बाद भी अब तक स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की वेबसाइट पर शहरों का डैशबोर्ड अपलोड नहीं हुआ है। गुरुवार से शनिवार तक तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन इंदौर के अधिकारी अब भी अंकों का इंतजार कर रहे हैं। यही डैशबोर्ड तय करेगा कि इंदौर का प्रदर्शन वास्तव में कितना बेहतर रहा और शहर को किस आधार पर आंका गया है। खास बात यह है कि पिछले वर्षों में अवॉर्ड समारोह से करीब आधा घंटा पहले ही सर्वेक्षण का डैशबोर्ड वेबसाइट पर उपलब्ध हो जाता था। इसमें शहरों के अंक और प्रदर्शन का पूरा ब्योरा सामने आ जाता था। इस बार ऐसा नहीं होने से सवाल उठ रहे हैं कि आखिर परिणामों का विस्तृत ब्योरा सार्वजनिक करने में देरी क्यों हो रही है? इंदौर से लेकर दिल्ली तक अधिकारी इसकी जानकारी जुटाने में लगे हैं। नंबर वन होने का दावा, लेकिन अंकों का इंतजार- महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमायुक्त क्षितिज सिंघल लगातार इंदौर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का दावा कर रहे हैं। उनका कहना है कि निगम के कर्मचारियों और अधिकारियों ने कड़ी मेहनत की है और शहर का प्रदर्शन बेहतर रहा है। निगमायुक्त के मुताबिक, इस बार वन सिटी-वन अवॉर्ड की अवधारणा पर काम किया गया। इंदौर को स्वच्छ सुपर लीग से बाहर रखने के पीछे भी यही व्यवस्था बताई जा रही है।

पाकिस्तान की गोरी क्रीम पर इंदौर में ड्रग विभाग का शिकंजा, 315 क्रीम जब्त







नागपुर में 18 महिलाओं की किडनी प्रभावित होने के मामले के बाद कार्रवाई तेज, इच्छापुर की पद्मश्री एजेंसी और रानीपुरा की द ब्यूटी बार पर छापेमारी; दुकानदारों का दावा- हरियाणा में निर्मित है क्रीम

विश्वनाथ समाचार

इंदौर। नागपुर में पाकिस्तान की गोरी क्रीम के इस्तेमाल से 18 महिलाओं की किडनी प्रभावित होने का मामला सामने आने के बाद अब इंदौर में भी औषधि विभाग ने इस प्रोडक्ट के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। नागपुर और भोपाल के बाद इंदौर में विभाग की टीम ने इच्छापुर और रानीपुरा मार्केट स्थित दो अलग-अलग ठिकानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए करीब 315 क्रीम जब्त की हैं। इनमें इच्छापुर स्थित पद्मश्री एजेंसी और रानीपुरा मार्केट स्थित द ब्यूटी बार शामिल हैं। जब्त क्रीम के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही इनकी वास्तविक गुणवत्ता और स्वास्थ्य पर संभावित दुष्प्रभावों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। जानकारी के अनुसार, नागपुर में गोरी क्रीम के इस्तेमाल से महिलाओं की किडनी प्रभावित होने की खबर सामने आने के बाद संबंधित उत्पाद को लेकर देशभर में चिंता बढ़ी है। इसी के मद्देनजर औषधि विभाग की टीम ने इंदौर में भी जांच और कार्रवाई की। विभाग ने पहले इच्छापुर स्थित पद्मश्री एजेंसी पर दबिश दी, इसके बाद रानीपुरा मार्केट स्थित द ब्यूटी बार पर कार्रवाई की। दोनों स्थानों से कुल करीब 315 क्रीम जब्त की गईं। विभागीय टीम ने जब्त उत्पादों के सैंपल लेकर जांच के लिए लैबोरेट्री भेज दिए हैं।

हरियाणा में निर्मित होने का दावा, कंपनी से जुटाई जा रही जानकारी

कार्रवाई के दौरान क्रीम के पैकेट पर हरियाणा में निर्मित होने का उल्लेख मिलने के बाद औषधि विभाग संबंधित कंपनी के बारे में भी जानकारी जुटा रहा है। विभाग यह पता लगाने में लगा है कि उत्पाद का निर्माण किस कंपनी द्वारा किया गया है, इसकी वास्तविक आपूर्ति कहां से हुई और इसमें कौन-कौन से रासायनिक तत्व मौजूद हैं। प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही क्रीम की गुणवत्ता और उसके संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

दुकानदारों ने कार्रवाई पर उठाए सवाल

दूसरी ओर, कार्रवाई के बाद संबंधित दुकानदारों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। रानीपुरा मार्केट स्थित द ब्यूटी बार के संचालक अलकेश रानीपुरा और इच्छापुर स्थित पद्मश्री एजेंसी के संचालक रमेश ईरानी का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि संबंधित प्रोडक्ट प्रतिबंधित है। दुकानदारों का दावा है कि उनके पास उपलब्ध क्रीम पाकिस्तान से आयातित नहीं है, बल्कि हरियाणा में निर्मित है। पैकेट पर भी मेड इन इंडिया लिखा हुआ है। दुकानदारों ने अधिकारियों पर दबाव बनाने और गलत तरीके से कार्रवाई करने के आरोप भी लगाए हैं। हालांकि, इन दावों की वास्तविकता जांच के बाद ही सामने आएगी। फिलहाल औषधि विभाग ने दोनों ठिकानों से करीब 315 क्रीम जब्त कर उनके नमूने जांच के लिए भेज दिए हैं। अब सभी की निगाहें प्रयोगशाला की रिपोर्ट और संबंधित निर्माता कंपनी से मिलने वाली जानकारी पर टिकी हैं। जांच के निष्कर्षों से ही स्पष्ट होगा कि जब्त क्रीम की वास्तविक उत्पत्ति क्या है, उसमें कौन से तत्व मौजूद हैं और स्वास्थ्य के लिहाज से वह कितनी सुरक्षित या नुकसानदायक है।

बचपन बचेगा, तभी भविष्य संवरेगा : नशे के विरुद्ध परिवार, विद्यालय और समाज की साझा जिम्मेदारी

विश्वनाथ समाचार

बचपन सपनों, उमंगों और संभावनाओं का वह दौर है, जिसे सुरक्षित रखना परिवार और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। लेकिन आज नशे का बढ़ता प्रभाव मासूम बचपन के सामने गंभीर चुनौती बन गया है। गलत संगति, सोशल मीडिया की भ्रामक दुनिया, पारिवारिक संवाद की कमी और प्रतिस्पर्धा से उपजा तनाव बच्चों को नशे की गिरफ्त की ओर धकेल रहा है। नशीले पदार्थों की उपलब्धता और तस्करी से जुड़े अपराधों में बच्चों की संलिप्तता भी चिंता बढ़ा रही है। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में बच्चों और किशोरों में नशे के सेवन से जुड़े तथ्य इस खतरे की गंभीरता को उजागर करते हैं। बच्चों में नशे की शुरुआत कई बार जिज्ञासा या दोस्तों के दबाव में एक छोटे प्रयोग से होती है, जो धीरे-धीरे आदत और फिर लत बन जाती है। समय पर मार्गदर्शन और काउंसलिंग नहीं मिलने से स्थिति और गंभीर हो सकती है।

संवाद ही समाधान है

ऐसे में परिवार और विद्यालयों में बच्चों के साथ खुला संवाद जरूरी है। उन्हें ऐसा भरोसेमंद माहौल मिलना चाहिए, जहां वे बिना डर और झिझक अपनी परेशानी साझा कर सकें। महात्मा गांधी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' इस दिशा में प्रेरणा देती है। गांधी ने अपने बचपन में बुरी संगति, बीड़ी पीने की आदत और पैसे चुराने जैसी गलतियों का उल्लेख किया है। लेकिन उन्होंने अपनी गलतियों को स्वीकारने का साहस दिखाया और पिता को पत्र लिखकर सब कुछ बता दिया। पिता की करुणा और मौन ने उनके मन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। यह प्रसंग सिखाता है कि गलती से अधिक महत्वपूर्ण उसे स्वीकार कर सुधार का संकल्प लेना है।

बाल दिवस पर संकल्प

आज बाल दिवस पर बच्चों के अधिकारों और उपलब्धियों के साथ उनके सामने खड़ी नशे जैसी चुनौतियों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। उन्हें उपदेश से अधिक विश्वास, दंड से अधिक संवाद और नियंत्रण से अधिक सही मार्गदर्शन की जरूरत है। नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल प्रशासन या कानून की नहीं, बल्कि परिवार, विद्यालय और पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। आइए, इस बाल दिवस पर संकल्प लें कि किसी बच्चे का बचपन नशे के धुएं में न खोए। उसके हाथों में नशे का प्याला नहीं, सपनों की उड़ान हो और आंखों में निराशा नहीं, उज्ज्वल भविष्य के सपने हों। क्योंकि बचपन बचेगा, तभी भविष्य संवरेगा।

- डॉ. संगीता विनायक, प्राचार्या, पीएम हाई स्कूल, देपालपुर

इंदौर नगर निगम के मस्टरकर्मियों के लिए बड़ी खुशखबरी, सभी होंगे विनियमित

30 अक्टूबर 2016 तक नियुक्त मस्टरकर्मियों को मिलेगा नियमितीकरण का लाभ, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने जारी किया प्रस्ताव, जल्द जारी होंगे आदेश

विश्वनाथ समाचार



इंदौर। इंदौर नगर निगम में लंबे समय से विनियमितीकरण की आस लगाए बैठे मस्टरकर्मियों के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। नगर निगम में 30 अक्टूबर 2016 तक नियुक्त हुए सभी मस्टरकर्मियों को अब विनियमित किया जाएगा। इस संबंध में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने आज प्रस्ताव जारी कर दिया है। प्रस्ताव जारी होने के बाद अब संबंधित कर्मचारियों को विनियमित किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। जानकारी के अनुसार, नगर निगम में कार्यरत मस्टरकर्मियों को विनियमित करने का प्रस्ताव पहले ही महापौर परिषद (एमआईसी) से स्वीकृति प्राप्त कर चुका था। अब महापौर द्वारा प्रस्ताव जारी किए जाने के बाद अगली प्रक्रिया शुरू होगी। जल्द ही नगर निगम आयुक्त द्वारा पात्र कर्मचारियों के विनियमितीकरण संबंधी आदेश जारी किए जाएंगे। इस निर्णय से वर्षों से नगर निगम में सेवाएं दे रहे मस्टरकर्मियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से कर्मचारी विनियमितीकरण की मांग कर रहे थे। अब इस फैसले से उनकी नौकरी की स्थिति और सेवा संबंधी भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता दूर होने का रास्ता खुल गया है। महापौर की इस पहल को नगर निगम के मस्टरकर्मियों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। अब सभी की निगाहें निगम आयुक्त द्वारा जारी किए जाने वाले अंतिम आदेशों पर टिकी हैं।

सीबीएसई की दसवीं की विषय योजना में बड़ा बदलाव, 2027-28 से पांच विषयों की बोर्ड परीक्षा अनिवार्य

विश्वनाथ समाचार

देपालपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा दसवीं के पाठ्यक्रम और बोर्ड परीक्षा की विषय योजना में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। नई व्यवस्था शैक्षणिक सत्र 2027-28 से लागू होगी। इसके तहत विद्यार्थियों को दसवीं की बोर्ड परीक्षा में पांच अनिवार्य विषयों की परीक्षा देनी होगी। वहीं, वैकल्पिक विषयों के चयन में विद्यार्थियों को उनकी रुचि, क्षमता और भविष्य की रोजगार संबंधी संभावनाओं के अनुरूप विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक शिक्षा के साथ कौशल आधारित और रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देना है। नई विषय योजना के अनुसार कक्षा दसवीं में पहली भाषा, दूसरी भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान पांच अनिवार्य विषय होंगे। इनके अतिरिक्त विद्यार्थी 57 विषयों में से अपनी पसंद का एक वैकल्पिक विषय चुन सकेंगे। इनमें उन्नत गणित, उन्नत विज्ञान और व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े विकल्प भी शामिल हैं।

22 विषयों में मिलेगा कौशल शिक्षा का विकल्प

सीबीएसई ने कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए 22 कौशल आधारित विषय निर्धारित किए हैं। इनमें सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा साइंस, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, बैंकिंग एवं बीमा, पर्यटन और डिजाइन जैसे रोजगारपरक विषय शामिल हैं। इन विषयों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्कूली स्तर से ही व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी दक्षता हासिल करने का अवसर मिलेगा। कौशल विकास विषयों का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जाएगा, जबकि अधिसूचित कौशल विषयों की बोर्ड परीक्षा भी आयोजित होगी। परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को अंकसूची के साथ राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे (एनएसक्यूएफ) का प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता के साथ उनके कौशल का भी औपचारिक प्रमाण उपलब्ध होगा।

कम अंक आने पर विषय प्रतिस्थापन की सुविधा

नई व्यवस्था में विद्यार्थियों को विषय प्रतिस्थापन का विकल्प भी दिया गया है। यदि कोई विद्यार्थी गणित, विज्ञान अथवा सामाजिक विज्ञान में निर्धारित 33 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं कर पाता, लेकिन कौशल विषय में सफल रहता है, तो निर्धारित शर्तों के अनुसार उसके परीक्षा परिणाम पर विषय प्रतिस्थापन के आधार पर विचार किया जा सकेगा। इसी प्रकार भाषा विषय में भी वैकल्पिक भाषा के आधार पर प्रतिस्थापन की सुविधा का प्रावधान किया गया है। हालांकि, कौशल विकास विषय लेने वाले विद्यार्थियों के लिए इस संबंध में अलग शर्तें निर्धारित की गई हैं।

विशेष जरूरत वाले विद्यार्थियों के लिए अलग व्यवस्था

विशेष जरूरत वाले विद्यार्थियों को भी नई विषय योजना में विशेष सुविधा दी गई है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए एक अनिवार्य भाषा की परीक्षा निर्धारित की गई है, जबकि शेष चार विषयों में गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, संगीत, चित्रकला, गृह विज्ञान, कंप्यूटर अनुप्रयोग और कौशल आधारित विषयों में से चयन करने का विकल्प रहेगा। ये विद्यार्थी अधिकतम दो कौशल विषय भी चुन सकेंगे।

पाठ्यक्रम से कुछ मॉड्यूल और पर्यावरण शिक्षा हटेगी

सीबीएसई ने पाठ्यक्रम में भी कुछ बदलाव किए हैं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा नौवीं के पाठ्यक्रम से 'समाज में व्यक्तियों की भूमिका' तथा 'संगणनात्मक चिंतन एवं एआई' के मॉड्यूल हटाए गए हैं। वहीं, कक्षा दसवीं में पर्यावरण शिक्षा को शैक्षणिक सत्र 2027-28 से पाठ्यक्रम में नहीं पढ़ाया जाएगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान सत्र 2026-27 में कक्षा दसवीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर नई विषय योजना के ये बदलाव लागू नहीं होंगे।

अब इंदौर की जनता बनेगी ट्रैफिक प्रहरी, नियम तोड़ने वालों की फोटो-वीडियो सीधे पुलिस तक पहुंचाएगी

विश्वनाथ समाचार





इंदौर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुरक्षित, सुगम और अनुशासित बनाने के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने जनभागीदारी की दिशा में एक अभिनव पहल की है। अब शहर की सड़कों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर केवल पुलिस ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भी नजर रहेगी। इसके लिए इंदौर पुलिस ने 'इंदौर ट्रैफिक साथी' मोबाइल ऐप में 'सिविलियन रिपोर्ट्स' नाम से नया फीचर शुरू किया है। इसके माध्यम से नागरिक यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों की फोटो और वीडियो सीधे पुलिस तक पहुंचा सकेंगे। इस नई सुविधा का शुभारंभ पुलिस कमिश्नर नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने एक विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के दौरान किया। पहल की शुरुआत करते हुए पुलिस कमिश्नर ने स्वयं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले एक वाहन चालक का फोटो ऐप के माध्यम से भेजा और नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

सुरक्षित दूरी से भेज सकेंगे फोटो और वीडियो

नई व्यवस्था के तहत अब कोई भी नागरिक सड़क पर यातायात नियमों की अनदेखी, लापरवाही से वाहन चलाने अथवा अन्य ट्रैफिक उल्लंघनों को देखकर संबंधित वाहन की फोटो या वीडियो रिकॉर्ड कर ऐप के जरिए पुलिस को भेज सकेगा। खास बात यह है कि इसके लिए नागरिकों को संबंधित वाहन चालक से बहस करने या किसी तरह का विवाद करने की आवश्यकता नहीं होगी। वे सुरक्षित दूरी से उल्लंघन का साक्ष्य जुटाकर पुलिस तक पहुंचा सकेंगे। नागरिक गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर से 'इंदौर ट्रैफिक साथी' ऐप डाउनलोड कर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। इसके अलावा यातायात हेल्पलाइन नंबर 70497620 पर भी यातायात नियमों के उल्लंघन की सूचना दी जा सकेगी।

सत्यापन के बाद होगी वैधानिक कार्रवाई

ऐप के माध्यम से प्राप्त होने वाली फोटो और वीडियो का यातायात पुलिस द्वारा तकनीकी परीक्षण एवं सत्यापन किया जाएगा। जांच में यातायात नियमों का उल्लंघन प्रमाणित होने पर संबंधित वाहन चालक के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इससे सड़कों पर मनमानी करने वाले वाहन चालकों पर निगरानी बढ़ेगी और यातायात नियमों के पालन को लेकर जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी।

जिम्मेदार नागरिकों को हर सप्ताह मिलेगा सम्मान

इंदौर पुलिस ने इस पहल को केवल शिकायत दर्ज कराने की सुविधा तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाने की तैयारी भी की है। इसके तहत यातायात नियमों के उल्लंघन से जुड़ी प्रमाणिक और उत्कृष्ट सूचनाएं देने वाले जिम्मेदार नागरिकों को प्रत्येक सप्ताह सम्मानित कर पुरस्कृत किया जाएगा। इससे नागरिकों को यातायात व्यवस्था सुधारने में सहभागी बनने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने कहा कि शहर में वास्तविक यातायात अनुशासन स्थापित करने के लिए आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। जब तक जनता स्वयं इस व्यवस्था का हिस्सा नहीं बनेगी, तब तक यातायात सुधार के प्रयासों को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकती। इस पहल का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच सहयोग को मजबूत कर सड़क सुरक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी बनाना है।

गीत और कठपुतली प्रस्तुति से दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रचनात्मक प्रस्तुतियां भी दी गईं। छस्नद्य4 एविएशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की ओर से विकास जी के ट्रैफिक जागरूकता गीत पर आकर्षक प्रस्तुति दी गई। वहीं पपेट आर्टिस्ट अंकित सिसोदिया ने अपने चर्चित पात्र 'चिंटू' के माध्यम से मनोरंजक अंदाज में लोगों को यातायात नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने कलाकारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इंदौर पुलिस की यह पहल यातायात व्यवस्था में तकनीक और जनसहयोग के बेहतर समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यदि नागरिक जिम्मेदारी के साथ इस सुविधा का उपयोग करते हैं तो शहर की सड़कों पर नियमों की अनदेखी करने वालों पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ ही सुरक्षित यातायात संस्कृति विकसित करने में भी मदद मिल सकती है।

तुअर और कपास की फसल के बीच उगा रखा था गांजा, मनावर पुलिस ने 230 पौधे किए जब्त

6 क्विंटल 98 किलो गांजे के पौधे बरामद, कीमत करीब 1 करोड़ 74 लाख 50 हजार रुपए; खेत मालिक आरोपी गिरफ्तार

विश्वनाथ समाचार





मनावर, राजू देवड़ा। धार जिले में मादक पदार्थों की अवैध खेती के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मनावर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम बडिया नाईपुरा में गांजे की अवैध खेती का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कपास और तुअर की फसल के बीच लगाए गए गांजे के 230 हरे पौधे जब्त किए हैं। इनका कुल वजन 6 क्विंटल 98 किलोग्राम बताया गया है। जब्त पौधों की अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 74 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने खेत से आरोपी दिनेश पिता प्रताप मुवेल (36) निवासी ग्राम बडिया को मौके से गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा (आईपीएस) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनावर प्रदीप वाल्टर के मार्गदर्शन में मादक पदार्थों की अवैध खेती, खरीद-फरोख्त और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 13 नवंबर 2026 को चौकी उमरबन, थाना मनावर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बडिया नाईपुरा में दिनेश मुवेल ने अपने खेत में कपास और तुअर की फसल के बीच अवैध रूप से गांजे के पौधे लगा रखे हैं। सूचना की तस्दीक के बाद थाना प्रभारी मनावर निरीक्षक राजेश यादव के नेतृत्व में थाना मनावर एवं चौकी उमरबन की पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस टीम ने खेत की तलाशी के दौरान गांजे के 230 हरे पौधे बरामद कर जब्त किए। इनका कुल वजन 698 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने मौके से आरोपी दिनेश मुवेल को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

इन पुलिसकर्मियों की रही सराहनीय भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव, चौकी प्रभारी उमरबन उपनिरीक्षक प्रकाश अलावा, प्रधान आरक्षक राजेश सोलंकी, आरक्षक गंगाराम, शैलेन्द्र एवं शोभाराम खरते का सराहनीय योगदान रहा। पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान के तहत आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

टीआई दिलीप पुरी प्रकरण: पुलिस ने करीब 35 लाख जब्त करने का दावा किया

एसपी के अनुसार अब तक आठ गिरफ्तारियाँ; कथित शराब तस्करी के आर्थिक नेटवर्क की जाँच जारी

विश्वनाथ समाचार



देवास। खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी की मौत से जुड़े मामले की जाँच में पुलिस ने करीब 35 लाख रुपये नकद जब्त करने की जानकारी दी है। पीटीआई की 12 नवंबर की रिपोर्ट के अनुसार, देवास पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बुधवार, 11 नवंबर, पत्रकारों को बताया कि आरोपी राहुल जायसवाल से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर यह बरामदगी हुई। पुलिस का दावा है कि रकम अवैध शराब कारोबार से अर्जित की गई थी। एसपी के मुताबिक, मामले में अब तक आठ लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिनमें छह पुलिस अभिरक्षा में हैं। जाँच के दौरान इंदौर स्थित मनीष जायसवाल के कार्यालय में भी दबिश देकर संबंधित लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस को आरोपियों के बीच ऐसी वॉट्सऐप चैट मिलने का दावा है, जिनमें कथित मुनाफे और रकम के बँटवारे का विवरण है। यह मामला 2 नवंबर की तड़के इंदौर-बैतूल राजमार्ग पर शराब से लदे ट्रक को रोकने के दौरान टीआई पुरी की मौत से जुड़ा है। नकदी के स्रोत और आरोपियों की भूमिका संबंधी विवरण पुलिस की जाँच पर आधारित हैं। उपलब्ध रिपोर्ट में आरोपियों का पक्ष शामिल नहीं है।

सफाई में लापरवाही पर निगम आयुक्त सख्त, चार एनजीओ पर 60 हजार की कार्रवाई

सीएसआई, दरोगा और कर्मचारियों का वेतन काटने के निर्देश, एक सफाई कर्मचारी की सेवा समाप्त होगी

विश्वनाथ समाचार

इंदौर। शहर की सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सख्त रुख अपनाया है। शनिवार को शहर के विभिन्न जोन एवं वार्डों में सफाई व्यवस्था, उद्यानों की स्वच्छता और स्वीपिंग कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कई क्षेत्रों में कचरे के ढेर, गंदगी और सफाई कार्य में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और एनजीओ संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए। चार एनजीओ संस्थाओं पर कुल 60 हजार रुपये की राशि राजसात करने के साथ ही सीएसआई, दरोगा, उद्यान दरोगा और विद्युत उपयंत्री का वेतन काटने तथा एक सफाई कर्मचारी की सेवा समाप्त करने के निर्देश दिए गए।



उद्यान की सफाई में लापरवाही, कर्मचारी की सेवा होगी समाप्त

आयुक्त ने जोन क्रमांक 21 के अंतर्गत अन्नपूर्णा शिव मंदिर उद्यान का निरीक्षण किया। यहां सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर उद्यान दरोगा सौरभ शर्मा का सात दिन का वेतन काटने और सफाई कर्मचारी कुशल कामले की सेवा समाप्त करने के निर्देश दिए। वहीं, संबंधित एनजीओ प्रतिनिधि राहुल वर्मा को नोटिस जारी करने के लिए कहा गया। इसके अलावा सपना-संगीता से भंवरकुआं तक निरीक्षण के दौरान दिन में भी विद्युत लाइट जलती मिलने पर विद्युत उपयंत्री लोकेश मेहता का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

चार एनजीओ संस्थाओं पर 60 हजार रुपये की कार्रवाई

सफाई कार्य में लापरवाही सामने आने पर आयुक्त ने चार एनजीओ संस्थाओं की राशि राजसात करने के निर्देश दिए। जोन क्रमांक 15 के वार्ड 72 स्थित महावर नगर में कचरे के ढेर, ओपन स्पॉट पर कचरा जमा होने और स्वीपिंग कार्य में लापरवाही मिलने पर बेसिक्स म्युनिसिपल वेस्ट वेंचर्स लिमिटेड पर 10 हजार रुपये की कार्रवाई की गई। जोन क्रमांक 18 के वार्ड 63 में सपना-संगीता मुख्य मार्ग पर जगह-जगह कचरा और गंदगी मिलने तथा सफाई कर्मचारियों के कार्यस्थल पर अनुपस्थित पाए जाने पर फीडबैक फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट पर 10 हजार रुपये की राशि राजसात करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह जोन क्रमांक 12 के वार्ड 66 अंतर्गत लालबाग पैलेस मुख्य मार्ग, धोबीघाट, रूपराम नगर और पलसीकर कॉलोनी में सफाई व्यवस्था खराब मिलने पर म्यूस स्टडी एजुकेशन सोसायटी पर 10 हजार रुपये की कार्रवाई की गई। यहां एनजीओ द्वारा नियमित निरीक्षण नहीं करने और कर्मचारियों व दरोगा के साथ समन्वय की कमी भी सामने आई। वहीं, जोन क्रमांक 21 के वार्ड 81 में अन्नपूर्णा रोड स्थित तालाब के पीछे बड़ी मात्रा में कचरा और ओपन स्पॉट पर जीवीपी पॉइंट मिलने के साथ ही स्वीपिंग कार्य असंतोषजनक पाए जाने पर बेसिक्स म्युनिसिपल वेस्ट वेंचर्स लिमिटेड पर 20 हजार रुपये की राशि राजसात करने के निर्देश दिए गए। इस प्रकार चार कार्रवाई में कुल 60 हजार रुपये की राशि राजसात की जाएगी।



दरोगाओं और सीएसआई पर भी गिरी गाज

निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था में लापरवाही मिलने पर संबंधित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन में कटौती के निर्देश भी दिए गए। इनमें जोन क्रमांक 12 के प्रभारी दरोगा प्रवीण खरे का तीन दिन और सीएसआई शिवेंद्र सिंह सिकरवार का दो दिन का वेतन काटने के निर्देश शामिल हैं। जोन क्रमांक 14 के सुदामा नगर डी सेक्टर गार्डन एवं गोल्ड स्कूल के पास गंदगी मिलने पर प्रभारी दरोगा दिनेश आदिवाल का तीन दिन और सीएसआई श्याम मांडेकर का दो दिन का वेतन काटा जाएगा। जोन क्रमांक 15 के महावर नगर में लापरवाही मिलने पर प्रभारी दरोगा नवीन चौहान का तीन दिन और सीएसआई पंकज धौलपुरे का दो दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। वहीं, जोन क्रमांक 18 के सपना-संगीता मुख्य मार्ग पर गंदगी मिलने पर प्रभारी दरोगा अंजू रील का तीन दिन और सीएसआई अभिषेक तिवारी का दो दिन का वेतन काटा जाएगा। इसके अलावा जोन क्रमांक 21 के अन्नपूर्णा रोड स्थित तालाब के पीछे सफाई व्यवस्था खराब मिलने पर प्रभारी मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक मनीष चंद्र सिंह और प्रभारी दरोगा विकास मट्टो का तीन-तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : आयुक्त

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप परमार द्वारा 106, लीला रेसीडेंसी, कॉलोनी वार्ड नंबर 07, देपालपुर, जिला इंदौर म.प्र. से प्रकाशित तथा उदयरत्न ऑफसेट 170/2, दारू गोडाउन के आगे आगर रोड उज्जैन से मुद्रित।
मो.न.9755161156 सम्पादक संदीप परमार, RNI No. MPHIN/25/A4357 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र देपालपुर रहेगा), (नोट: पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)